


20/6/22

पत्रावली पेश हुई वकील प्रार्थी उपस्थित नहीं  
ही प्रार्थी की ओर से वकील श्री रामस्वरूप  
छाकड़ ने बकालतनामा पेश किया। वकील  
प्रार्थी को 3 बार रक-रक कर आवाजें  
लगावायी गई। लेकिन न तो प्रार्थी और न ही  
वकील प्रार्थी कोई भी न्यायालय में  
उपस्थित नहीं हुआ। अतः न्यायालय इस  
पत्रावली में कोई कार्यवाही किया जाना  
शेष नहीं होने के कारण प्रकरण को खारिज  
किया जाना उचित समझता है। अतः पत्रावली  
अदम दायरी, अदम पेशी में खारिज की जाती  
है निर्वच खुले न्यायालय में सुनाया गया।  
पत्रावली बाद तकमील दारिखत रहते हैं।

  
व्यवस्थापक अधिकारी  
दोता (मुन्की)

